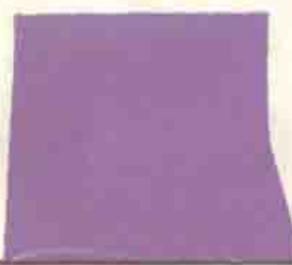




# 孙静轩抒情诗集



孙静轩抒情诗集



## 孙静轩抒情诗集

\*  
中国文联出版公司出版  
(北京建国门泡子河10号)  
文物印刷厂印刷  
新华书店北京发行所发行

\*  
787×1092 毫米 32开本5.5印张 2 插页 95 千字  
1985年7月第1版 1985年7月北京第1次印刷  
印数：1—12,700册  
书号：10355.287 定价：0.93元

# 目 录

## 海 洋 抒 情 诗

|           |       |    |
|-----------|-------|----|
| 海         | ..... | 3  |
| 海与城       | ..... | 4  |
| 帆         | ..... | 5  |
| 在海边       | ..... | 6  |
| 在海滩上      | ..... | 7  |
| 大海睡了      | ..... | 8  |
| 夜 雾       | ..... | 9  |
| 致小船及其舵手   | ..... | 10 |
| 海 鸥       | ..... | 11 |
| 海 鸥 (又一首) | ..... | 12 |
| 水 手       | ..... | 13 |
| 祖国的眼睛     | ..... | 14 |
| 致大海       | ..... | 15 |
| 海与太阳      | ..... | 17 |

|           |    |
|-----------|----|
| 海光曲       | 18 |
| 海潮        | 19 |
| 海与风       | 20 |
| 海与帆       | 21 |
| 海与礁       | 22 |
| 海啸        | 23 |
| 大海泛潮      | 25 |
| 涛声        | 26 |
| 大海之春      | 27 |
| 大海之夏      | 28 |
| 大海之冬      | 29 |
| 大海之夜      | 30 |
| 海鸥(再一首)   | 32 |
| 在海滩上(又一首) | 33 |
| 海浴        | 34 |
| 春汛        | 35 |
| 青岛        | 36 |
| 流动的国土     | 37 |
| 在舱房里      | 39 |
| 沉船        | 41 |
| 灯塔        | 42 |
| 致远洋船队     | 43 |
| 珍珠        | 44 |

|             |    |
|-------------|----|
| 海 魂 .....   | 45 |
| 海的故乡 .....  | 46 |
| 海呵，多么小..... | 47 |
| 航行中 .....   | 48 |

## 森林抒情诗

|                  |    |
|------------------|----|
| 我走进烟雾弥漫的森林 ..... | 51 |
| 瀑布穿过森林 .....     | 53 |
| 风 暴 .....        | 54 |
| 一棵老桦树 .....      | 55 |
| 石 燕 .....        | 56 |
| 猎 手 .....        | 57 |
| 好呵，森林的猎人 .....   | 58 |
| 杂谷瑙河 .....       | 59 |
| 相思树 .....        | 60 |
| 菠萝蜜 .....        | 61 |
| 芒果树 .....        | 62 |
| 人心果 .....        | 63 |
| 可可树 .....        | 64 |
| 榕 树 .....        | 65 |
| 橡胶树 .....        | 66 |
| 面包树 .....        | 67 |
| 榴莲树 .....        | 68 |

|       |    |
|-------|----|
| 桃榔树   | 69 |
| 桃榔树和风 | 70 |
| 英雄树   | 71 |
| 椰子树   | 72 |

## 田园抒情诗

|         |    |
|---------|----|
| 江南早春    | 75 |
| 期待      | 76 |
| 春天的湖    | 77 |
| 采桑      | 78 |
| 河岸上     | 79 |
| 向日葵     | 80 |
| 炊烟      | 81 |
| 月夜      | 82 |
| 我爱      | 83 |
| 炊烟(又一首) | 84 |
| 晨露      | 85 |
| 雨       | 86 |
| 雾       | 87 |
| 红叶      | 88 |
| 白杨      | 89 |
| 藤       | 90 |
| 雪       | 91 |

冰 ..... 92  
天涯草

|          |     |
|----------|-----|
| 七个铜像     | 95  |
| 当月亮升起的时候 | 96  |
| 燃烧之后，凝固  | 97  |
| 袒露，却不会下沉 | 98  |
| 飞来峰      | 99  |
| 水中的城     | 100 |
| 滇池印象     | 101 |
| 西山睡美人    | 103 |
| 昆明街头     | 104 |
| 龙门传说     | 105 |
| 阿诗玛      | 106 |
| 哦，南方的云   | 107 |
| 端午飞舟     | 108 |
| 天涯望归人    | 109 |
| 陨石       | 110 |
| 寄诗魂      | 111 |
| 大风歌      | 112 |
| 火山废墟     | 113 |
| 在石窟里     | 114 |
| 群牛石雕     | 115 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 母与子            | 116 |
| 水月观音           | 117 |
| 媚态观音           | 118 |
| 卧佛涅槃           | 119 |
| 在神的法庭上         | 120 |
| 地 狱            | 121 |
| 敲不响的鼓          | 122 |
| 只有风，是永恒的       | 123 |
| 一株小草           | 124 |
| 萋萋菜——一九六八年农村印象 | 125 |
| 相思山            | 126 |
| 秭归，秭归呵         | 128 |
| 祭诗魂            | 129 |
| 悬 棺            | 130 |
| 被遗忘了的峡谷        | 131 |
| 大宁河之魂          | 132 |

## 七 弦 琴

|      |     |
|------|-----|
| 牧 童  | 135 |
| 果园旧事 | 137 |
| 挽 歌  | 138 |
| 柿 果  | 139 |
| 蒲公英  | 140 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 北极光       | 141 |
| 苦果        | 142 |
| 春潮激       | 143 |
| 金子的山谷     | 144 |
| 同钢铁工人对话   | 145 |
| 剪影        | 146 |
| 生命        | 147 |
| 这里，是刚刚诞生的 | 148 |
| 跨过三千年的桥   | 149 |
| 夜晚，城市清醒着  | 150 |
| 太阳神       | 151 |
| 光的使者      | 152 |
| 在单身宿舍里    | 154 |
| 夜晚，在工人家里  | 155 |
| 男子汉之歌     | 157 |
| 女性世界      | 159 |
| 大路，通向世界   | 160 |
| 候鸟        | 161 |

## 后记

# 海 洋 抒 情 诗



# 海

流过那古老的褐色的土地  
流过那遮着篱笆的村口  
小河呵，一路上诉说着千百个神奇的故事  
日夜不停地欢唱着向东方奔流  
在那河道的尽头，千百条姐妹的河聚会了  
于是，在另一个广阔的天地里  
她们兴奋地拥抱着，发出摇撼山岳的欢呼……

一九五七年三月于青岛

## 海 与 城

圆形的、棱形的如宝石雕刻的建筑  
象是给这海的城戴上了一顶辉煌的桂冠  
而那沿着海岸滚动着的雪白的浪花呵  
象是在她的胸前挂上了一串串的银链  
哦，青岛，这秀丽无比的海之城呵  
宛如一位身着白衣的仙女婷立在海畔  
她庄静地凝视着海中的倒影，骄傲地笑了  
内心里充满了不可捉摸的思念  
望着这海之城迷人的姿色  
大海被逗引得难以自制  
她激情地喧嚷着几次想扑上海岸

一九五七年三月于青岛

# 帆

一页白帆被风鼓动着，恋恋地离开了港湾  
它悠悠地摇晃着飘浮在碧蓝的海面  
渐渐地，它修长的影子越来越远了  
在那模糊的水平线上，变成了一个小小的白点  
我站在海岸上目送渐渐消逝的帆影  
心中充满了深长深长的思念  
哦！亲爱的，我的远在大海彼岸的人呵  
你可知道我嘱托它给你载去满船的眷恋？

一九五七年三月于青岛

## 在 海 边

沿着古代英雄们走过的小路  
我寻觅着，思索着在海边漫步  
我被那传说中的古战争迷住了  
总想在这一带海岸上找到一点遗物  
可是，海滩上尽都是光彩的石块  
偶尔从那黑色的岩石上飞起几只白鸥  
只有那汹涌的海水仿佛还记忆着历代往事  
它在用高亢的调子歌唱着千百次悲壮的战斗  
于是，我静静地在它身边的岩石上坐下来  
我神往地听呀，听呀，听了很久……

一九五七年三月于青岛

## 在 海 滩 上

黄昏，我爱独自在海滩上游逛  
看那海水的幻变，听那波涛的喧响  
我爱透过那玫瑰色的黄昏眺望海的尽头  
看那白色的海鸥追随着帆船飞翔  
直到那汹涌的巨浪把红日吞没  
我才向大海告别，恋恋地回到岸上  
但临走时，我总要拣几枚小小的贝壳  
带回几滴海的颜色和一片海的幻想

一九五七年三月于青岛